सत बाप का संग ज्ञान मार्ग में ही मिलता
सत बाप का संग पावन बनाता
सत बाप की याद में रहना
होता सच्चा सत्संग करना
सत बाप की याद से....
त्तमोप्रधान आत्मा बनती सत्तोप्रधान
निर्बल आत्मा बनती बलवान
आत्मा को पवित्रता का मिलता बल
21जन्मों का होता बेड़ा पार
देह के संग से भी उपराम रहना
सच्ची दिल से बाप का बनना मददगार
मन से आत्मा स्वतंत्र होती
शांति की किरणें फैला मन्सा महादानी बनती
स्नेह रूप का अनुभव बहुत सुनाया
अब शक्ति रूप का अनुभव सुनना

मेरा बाबा!!!
ॐ शांति!!!